

ॐ गं गणपतये नमः

शुभ



लाभ



जन्मपत्रिका

Sample

Created By: www.futurepointindia.com

Model: T-PageTitle,L1

Order No: 101-102-101-1001/112920

Future Point (P) Ltd.

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016

Ph.: 011-40541000, 40541020

Email: mail@futurepointindia.com

पृष्ठ : 1

Sample

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	01/01/2012
दिन	रविवार
जन्म समय	23:10:00 घंटे
इष्ट	39:46:25 घटी
स्थान	
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उ	चैत्रादि संवत्-शक संवत्	2068 / 1933
रेखांश	77:13:00 पू	माह	पौष
मध्य रेखांश	82:30:00 पू	पक्ष	शुक्ल
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे	सूर्योदय कालीन तिथि	8
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे	तिथि समाप्ति काल	24:58:29
वेलान्तर	-00:03:13 घंटे	जन्म तिथि	8
साम्पातिक काल	05:32:00 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उत्तराभाद्रपद
सूर्योदय	07:15:25 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल	12:41:36 घंटे
सूर्यास्त	17:33:35 घंटे	जन्म नक्षत्र	रेवती
दिनमान	10:18:10 घंटे	सूर्योदय कालीन योग	वरियान
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण	योग समाप्ति काल	07:19:23 घंटे
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण	जन्म योग	परिघ
ऋतु	शिशिर	सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
सूर्य के अंश	16:40:45 धनु	करण समाप्ति काल	11:44:34 घंटे
लग्न के अंश	29:48:36 सिंह	जन्म करण	बव
भोग्य दशा काल	बुध 10 वर्ष 4 मा 15 ति		

Sample

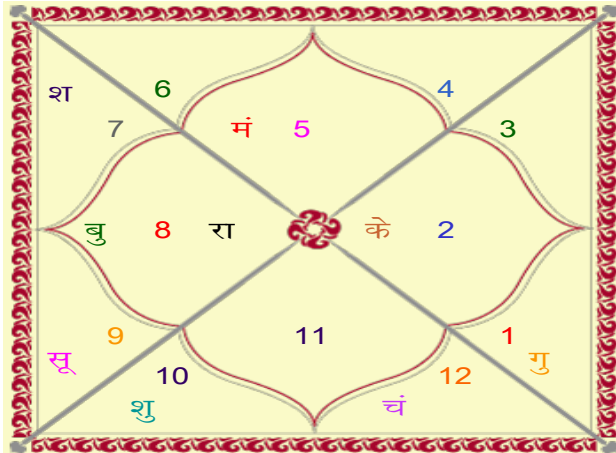
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	सिंह	29:48:36	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	16:40:45	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	मीन	21:51:40	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	सिंह	26:15:35	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	वृश्चिक	26:47:40	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	मेष	06:24:58	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मकर	20:41:47	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	तुला	04:18:21	उच्च राशि	--	--	--	नेक
राहु	वृश्चिक	19:56:38	शत्रु राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	वृष	19:56:38	सम राशि	--	--	--	नेक

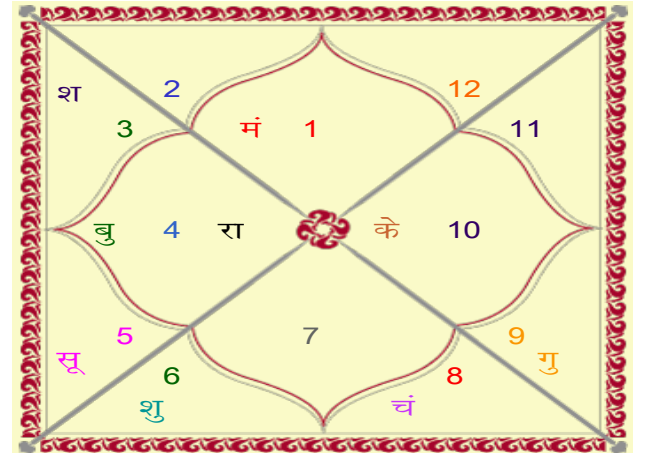
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंग	सूर्य	मंग	--	--	--
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	सूर्य	शनि
3	बुध	मंग	बुध	--	चंद्र	--
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	राहु	केतु
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	गुरु	मंग
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	--	--
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
8	मंग	मंग,शनि	चंद्र	--	शनि	सूर्य
9	गुरु	गुरु	शनि	--	--	चंद्र
10	शनि	शनि	शनि	--	केतु	राहु
11	शनि	शनि	गुरु	--	मंग	गुरु
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	--	--

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Future Point (P) Ltd.

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016

Ph.: 011-40541000, 40541020

Email: mail@futurepointindia.com

पृष्ठ : 3

Sample

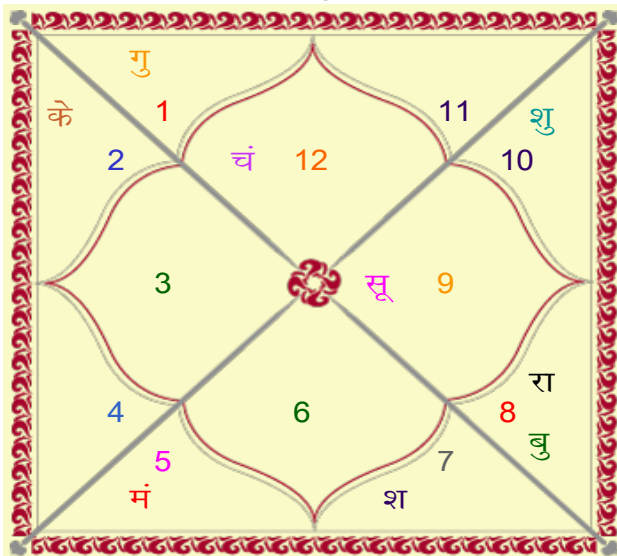
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंग	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

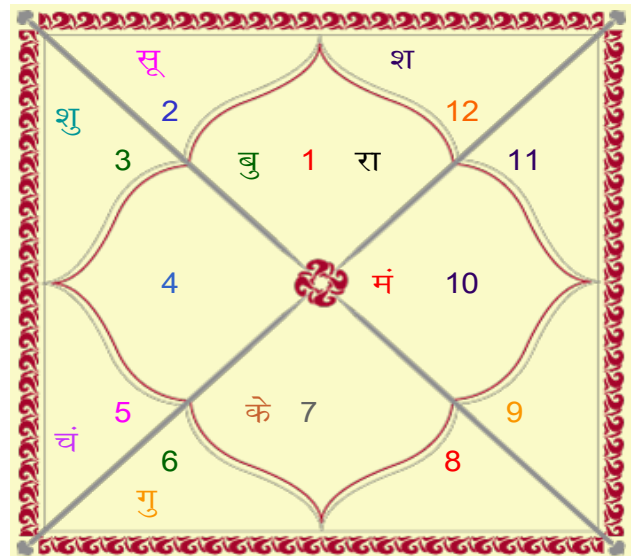
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	परिवार उन्नति का मालिक।	ग्रह
चंद्र	मुर्दा माता, जला दूध।	--
मंग	मैदान जंग और इंसाफ की तलवार	ग्रह
बुध	राजयोग या हुनरमंद	--
गुरु	धन का त्यागी।	ग्रह
शुक्र	लल्लू करे कव्वालियां रब्ब सिद्धियां पावे।	--
शनि	अगर हुआ तो दो गुणा मंद होगा।	ग्रह
राहु	धर्मी	--
केतु	चुपचाप अपने रास्ते चलने वाला मौकाबाज।	राशि

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Future Point (P) Ltd.

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016

Ph.: 011-40541000, 40541020

Email: mail@futurepointindia.com

पृष्ठ : 4

Sample

लालकिताब दशा

शनि 01/01/2012 01/01/2018	राहु 01/01/2018 01/01/2024	केतु 01/01/2024 01/01/2027	गुरु 01/01/2027 01/01/2033
राहु 01/01/2014 बुध 01/01/2016 शनि 01/01/2018	मंग 01/01/2020 केतु 01/01/2022 राहु 01/01/2024	शनि 01/01/2025 राहु 01/01/2026 केतु 01/01/2027	केतु 01/01/2029 गुरु 01/01/2031 सूर्य 01/01/2033
सूर्य 01/01/2033 01/01/2035	चंद्र 01/01/2035 01/01/2036	शुक्र 01/01/2036 01/01/2039	मंग 01/01/2039 01/01/2045
सूर्य 01/09/2033 चंद्र 03/05/2034 मंग 01/01/2035	गुरु 03/05/2035 सूर्य 02/09/2035 चंद्र 01/01/2036	मंग 01/01/2037 शुक्र 01/01/2038 बुध 01/01/2039	मंग 01/01/2041 शनि 01/01/2043 शुक्र 01/01/2045
बुध 01/01/2045 01/01/2047	शनि 01/01/2047 01/01/2053	राहु 01/01/2053 01/01/2059	केतु 01/01/2059 01/01/2062
चंद्र 01/09/2045 मंग 03/05/2046 गुरु 01/01/2047	राहु 01/01/2049 बुध 01/01/2051 शनि 01/01/2053	मंग 01/01/2055 केतु 01/01/2057 राहु 01/01/2059	शनि 01/01/2060 राहु 01/01/2061 केतु 01/01/2062
गुरु 01/01/2062 01/01/2068	सूर्य 01/01/2068 01/01/2070	चंद्र 01/01/2070 01/01/2071	शुक्र 01/01/2071 01/01/2074
केतु 01/01/2064 गुरु 01/01/2066 सूर्य 01/01/2068	सूर्य 01/09/2068 चंद्र 02/05/2069 मंग 01/01/2070	गुरु 03/05/2070 सूर्य 01/09/2070 चंद्र 01/01/2071	मंग 01/01/2072 शुक्र 01/01/2073 बुध 01/01/2074
मंग 01/01/2074 01/01/2080	बुध 01/01/2080 01/01/2082	शनि 01/01/2082 01/01/2088	राहु 01/01/2088 01/01/2094
मंग 01/01/2076 शनि 01/01/2078 शुक्र 01/01/2080	चंद्र 01/09/2080 मंग 02/05/2081 गुरु 01/01/2082	राहु 01/01/2084 बुध 01/01/2086 शनि 01/01/2088	मंग 01/01/2090 केतु 01/01/2092 राहु 01/01/2094
केतु 01/01/2094 01/01/2097	गुरु 01/01/2097 02/01/2103	सूर्य 02/01/2103 02/01/2105	चंद्र 02/01/2105 02/01/2106
शनि 01/01/2095 राहु 01/01/2096 केतु 01/01/2097	केतु 01/01/2099 गुरु 02/01/2101 सूर्य 02/01/2103	सूर्य 03/09/2103 चंद्र 03/05/2104 मंग 02/01/2105	गुरु 03/05/2105 सूर्य 02/09/2105 चंद्र 02/01/2106

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

Sample

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1,4,7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

Sample

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुँडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

Sample

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नींव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

Sample

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

Sample

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

Sample

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

Sample

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो

Sample

जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।